B I (Three Year G)
Under 1+1+1 System

2008

# COMPULSORY HINDI (General)

( Revised New Syllabus )

Time : Two Hours

Full Marks : 50

*The figures in the margin indicate full marks.*

Answer *all* the questions.

1. 'भोलाराम का जीव' कहानी में निहित व्यंग्यात्मकता को स्पष्ट कीजिए । 10

**अथवा,**

'सती' कहानी की मूल संवेदना पर प्रकाश डालिए ।

2. निम्न में से किसी **एक** विषय पर लगभग 600 शब्दों में निबंध लिखिए : 10

(क) सांप्रदायिकता एवं समाज ।

(ख) अनुशासन एवं कर्तव्य परायणता ।

(ग) मीडिया का बदलता स्वरूप ।

(घ) आधुनिक विकास और पर्यावरण ।

3. इंटरनेट की उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए अपने मित्र को एक पत्र लिखिए । 10

**अथवा,**

P.T.O.

सड़कों की जर्जर दशा के कारण हो रही दुर्घटनाओं की जानकारी देते हुए संबंधित अधिकारी को एक पत्र लिखिए

4. निम्नलिखित किन्हीं पाँच का हिंदी रूप लिखिए :

Research, Circular, Information, Gazetted, Transfer, Export, Temporary

5. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 2×5=10

(क) किन्हीं पाँच का विलोम रूप लिखिए :

सत्कर्म, प्रलय, नूतन, मिलन, विस्तृत, कृतज्ञ, उदार

(ख) किन्हीं पाँच के दो-दो पर्यायवाची लिखें :

अमृत, प्रभाकर, कपड़ा, तलवार, चंद्रमा, शंकर, नदी।

(ग) किन्हीं पाँच का संधि-विच्छेद करें :

पुस्तकालय, निश्चल, अत्याचार, वागीश, उल्लंघन, देवर्षि, अहंकार।

(घ) किन्हीं पाँच का समास विग्रह कीजिए :

यथाशक्ति, गगनचुंबी, घनश्याम, चतुर्वेद, अष्टाध्यायी, चतुरानन, देवासुर।

6. निम्नलिखित किसी एक अवतरण का संक्षेपण करते हुए उसका उपयुक्त शीर्षक दें : 5

इस संसार में धन ही सब कुछ नहीं है। धन की पूजा



तो बहुत कम जगहों में होती देखी गई है। संसार का इतिहास उठाकर देखिए और उदाहरण ढूँढ़-ढूढ़कर सामने रखिए, तो आपको विदित हो जायेगा कि जिनकी हम उपासना करते है, जिनके लिए हम आँखे बिछाने तक को तैयार रहते हैं, जिनकी स्मृति तरोताजा रखने के लिए हम अनेक तरह के स्मारक चिह्न बनाकर खड़े करते हैं, उन्होंने रुपया कमाने में अपना समय नहीं बिताया था, बल्कि उन्होंने कुछ ऐसे काम किए थे जिनकी महत्ता हम रुपये से अधिक मूल्यवान समझते हैं। जिन लोगों के जीवन का उद्देश्य केवल रुपया बटोरना है, उनकी प्रतिष्ठा कम हुई है। अधिकांश अवस्थाओं में उन्हें किसी ने पूछा तक नहीं। उन्होंने जन्म लिया, रुपया कमाया और परलोक की यात्रा की। किसी ने जाना तक नहीं कि वे कौन थे और कहाँ गये ?

अथवा,

छायावाद विशुद्ध प्रकृति-काव्य नहीं है। वह केवल सूक्ष्म मानवीय अनुभूतियों की बाह्य प्रतिकृति है। इसलिए उसमें आया हुआ प्रत्येक प्राकृतिक बिम्ब अपने रूपगत सौन्दर्य के अतिरिक्त किसी गहरी अनुभूति अथवा परोक्ष चेतना का सूक्ष्म संकेत भी है। छायावादी काव्य में इस प्रकार के सौन्दर्यबिम्बों की संख्या इतनी अधिक है कि उसके पूर्व का सम्पूर्ण हिन्दी काव्य मिलकर भी उसकी समता नहीं कर सकता।

---

B I (Three Year G)
Under 1+1+1 System

2008

# ELECTIVE HINDI (General)

## Second Paper

( Revised New Syllabus )

Time : Two Hours  Full Marks : 50

*The figures in the margin indicate full marks.*

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर अधिकतम 600 शब्दों में लिखिए ।

1. 'विद्यापति भक्त थे या शृंगारिक' ? तर्कसंगत उत्तर दीजिए । 10

**अथवा,**

वर्तमान संदर्भ में कबीर की प्रासंगिकता को स्पष्ट कीजिए ।

2. सूरदास के वात्सल्य वर्णन की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए । 10

**अथवा,**

बिहारी की बहुज्ञता पर विचार कीजिए ।

3. निम्न लिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर अधिकतम 150 शब्दों मे दीजिए । 4×5=20

(क) कबीर को 'वाणी का डिक्टेटर' क्यों कहा गया ? स्पष्ट कीजिए ।

P.T.O.

(ख) 'गागर में सागर' और 'नावक के तीर' को ... करते हुए बिहारी की काव्य-कला पर टिप्... लिखिए ।

(ग) 'कबीर चंदन के बिड़े, बेधे ढाक पलास
आपु सरीरवे कर लिए, जो होते उन पास'
— भावार्थ स्पष्ट कीजिए ।

(घ) ''माधव तोंहे जनु जाह विदेसे
हमरो रंग-रभस लए जैथह
लैवह कौन सनेसे ॥''
— पद्यांश की व्याख्या कीजिए ।

(ङ) विद्यापति को 'अपरूप के कवि' क्यों कहा गया है ?

(च) सूर के 'वाग्वैदग्ध्य' की विशेषताओं पर टिप्पणी लिखिए ।

4. निम्न लिखित प्रश्नों के उत्तर 'एक' या 'दो' शब्दों में दीजिए । $10\times1=10$

(क) बीजक क्या है ?

(ख) सूरदास की दार्शनिक भक्तिधारा क्या थी ?

(ग) आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी द्वारा लिखित कबीर सम्बन्धी ग्रंथ का नाम क्या है ?

(घ) 'सुनत मौन ह्वै रह्यौ ठगौ सौ' किसकी उक्ति है ?



(ङ) 'सूर सुषमा' के संपादक कौन हैं ?

(च) 'कीर्ति पताका' के रचनाकार का नाम लिखिए ।

(छ) कबीर ने 'सुलतान' किसे माना है ?

(ज) 'पुष्टिमार्ग का जहाज' किसे कहा जाता है ?

(झ) 'बिहारी रत्नाकर' के सम्पादक का नाम लिखिए ।

(ञ) ''कबीर सूता क्या करै,
जागु न जपै ———— ।''
— खाली स्थानों को भरिए ।

———

B I (Three Year G) New
Under 2+1 System

2008

# COMPULSORY HINDI (General)

(New Syllabus)

Time : Two Hours | Full Marks : 50

*The figures in the margin indicate full marks.*

**Anwer *All* questions.**

1. 'शरणदाता' कहानी के मूलभाव को अपने शब्दों में लिखिए। 10

**अथवा,**

'ठेस' कहानी की सामाजिक प्रासंगिकता पर प्रकाश डालिए।

2. निम्नलिखित में से किसी एक पर निबन्ध लिखिए : 10

(क) प्रदूषण हमारा कर्तव्य।

(ख) युवा और राजनीति।

(ग) निरक्षरता: सामाजिक अभिशाप।

(घ) साहित्य और समाज।

3. अपने क्षेत्र में बिजली-संकट से उत्पन्न कठिनाइयों का वर्णन करते हुए किसी दैनिक पत्र के संपादक को पत्र लिखिए। 10

P.T.O.

**अथवा,**

पूर्व अनुमति के बिना कार्यालय में अनुपस्थित होने के कारण किसी कर्मचारी को ज्ञापन दें।

4. (क) निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं **पाँच** का हिन्दी में अर्थ लिखें : 5

Allotment, Import, Tender, Grant Export, Trade Union, Arrear, Council, Document, Quality.

(ख) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 2×5=10

(i) किन्हीं **पाँच** के दो-दो पर्यायवादी शब्द लिखें :

गंगा, गणेश, गर्व, गज, पुरुष, युद्ध, स्त्री, पृथ्वी, सूर्य, अमृत ।

(ii) किन्हीं **पाँच** के विलोम-शब्द लिखें :

कायर, कोमल, जय, पाताल, अपकार, यश, शोक, सत्य, उतार, प्रकाश ।

(iii) किन्हीं **पाँच** का संधि-विच्छेद कीजिए :

विद्यालय, सदैव, महेश, उज्ज्वल स्वागत, ब्रजेश्वर, नमस्ते, वागीश, अमिताभ ।

(iv) पाँच तद्भव शब्द लिखें ।

(ग) निम्न लिखित में से किसी एक अवतरण का उचित शीर्षक देते हुए संक्षेपण कीजिए : 5

मनुष्य-रूपी तलवार की धार चरित्र है। अगर इस



धार में तीक्ष्णता है तब वह तलवार भले ही लोहे की हो, अपने काम में अधिक कारगर सिद्ध होती है। इसके विपरीत, यदि इस तलवार सोने की ही क्यों न हो, हमारे किसी काम के नहीं हो सकती है। इसी प्रकार, यदि किसी का चरित्र ही नष्ट हो गया हो, तब वह मनुष्य मुर्दे से भी बदतर है, क्योंकि मुर्दा तो किसी और मनुष्य का बुरा नहीं कर सकता हैं, पर एक चरित्रभ्रष्ट मनुष्य अपने साथ रहनेवालों को भी अपने ही रास्ते पर ले जाकर अवनति एवं सत्यानाश के भयावने गड्ढे में ढकेल सकता है ।

**अथवा**

वर्तमान युग में जिस भीषणता के साथ जीवनसंघर्ष चल रहा है, उसमें वह व्यक्ति कभी भी विजयी नहीं हो सकता, जो चुपचाप बैठकर अतिदीर्घकाल तक सोचता-विचारता रहेगा। यहाँ तो वही टिक सकता है जिसमें काफी स्फूर्ति है, जो दूसरों को ढकेलकर आगे बढ़ सकता है । नहीं तो जो उससे ताकतवर है उसे किनारे ढकेल देगा और आप आगे बढ़ जायेगा। अगर तुम इस जीवन में कुछ करना चाहते हो, अगर तुम्हें अपना जीवन सफल बनाना है, तो तुम्हें प्रत्युत्पन्नमति होना चाहिए, अपने निर्णय पर दृढ़ रहना चाहिए और उसपर जमकर काम करना चाहिए। जिस व्यक्ति नें ये गुण पाये जाते हैं, उसमें अन्य गुणों का समावेश भी रहता है।

---